सूर्यास्त 07:15 | सूर्योदय 05:28
तापमान
अधिकतम 44° | न्यूनतम 30°

राष्ट्रीय हिन्दी/साप्ताहिक

हिन्दुस्तान एकता

वर्षः 07 | अंकः 12 | पृष्ठः 04 | मूल्यः ₹1.00

info@hindustanekta.com | कैथल, सोमवार 25 मई, 2026 | RNI-HRHIN/26/A1127

आपकी आवाज हमारी ताकत

आप कोई सामाजिक, धार्मिक आयोजन, प्रेस कॉन्फ्रेंस या किसी संस्था से जुड़ी कोई खबर, खुला नाला है, पानी से भरा गड्ढा है, रोड टूटी या गड्ढे हैं, हादसे का खतरा है इत्यादि खबरें हमारे साथ साझा करना चाहते हैं तो अब दूर नहीं। आपको केवल खबर और खबर से जुड़े चुनिंदा दो फोटो कैप्शन के साथ भेजना होगा। आपकी खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

ऐसे भेजे

वॉट्सएप कर सकते हैं

9499422208

हमें QR स्कैन कर वेबसाइट पर भी भेज सकते हैं

कन्या भ्रूण हत्या रोकने के लिए धर्मगुरुओं ने बढ़ाया हाथ

» स्वास्थ्य विभाग की बैठक में पीसी-पीएनडीटी एक्ट पर किया जागरूक, बेटियों की सुरक्षा का दिलाया संकल्प

कलासो देवी » कैथल

बेटियों के सुनहरे भविष्य और समाज में लिंगानुपात को संतुलित बनाए रखने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग कैथल ने एक पहल की। कार्यालय सिविल सर्जन में विभिन्न धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों, पंडितों, मौलवियों और ग्रंथियों के साथ बैठक आयोजित कर कन्या भ्रूण हत्या रोकने और पीसी-पीएनडीटी एक्ट के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। बैठक की अध्यक्षता सिविल सर्जन डॉ. रेणु चावला ने की। इस दौरान उप सिविल सर्जन डॉ. बलविन्द्र गर्ग, जिला नोडल अधिकारी (पीसी-पीएनडीटी) डॉ. सचिन, उप सिविल सर्जन डॉ. विकास धवन, चिकित्सा अधिकारी (पीएनडीटी) डॉ. अजय कुमार सहित विभिन्न धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सिविल सर्जन डॉ. रेणु चावला ने कहा कि बेटियों की सुरक्षा और सम्मान केवल सरकार या स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें समाजसेवियों, धार्मिक संगठनों और जागरूक नागरिकों की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने धर्मगुरुओं से अपील की कि वे धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में लोगों को बेटियों के संरक्षण और सम्मान की शपथ दिलाएं। उन्होंने कहा कि विवाह, धार्मिक समारोह और अन्य सामाजिक आयोजनों में कन्या भ्रूण हत्या तथा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के प्रति लोगों को जागरूक किया जाना चाहिए, ताकि समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके। उप सिविल सर्जन डॉ. बलविन्द्र गर्ग ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति अवैध लिंग जांच या कन्या भ्रूण हत्या से जुड़ी पुख्ता सूचना स्वास्थ्य विभाग को देता है तो उसकी पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। साथ ही ऐसे जागरूक नागरिक को विभाग की ओर से एक लाख रुपये तक की प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित भी किया जाएगा।

बैठक में उपस्थित धर्मगुरुओं ने एक स्वर में कहा कि बेटियों को बचाना और उन्हें आगे बढ़ाना ईश्वर की सबसे बड़ी सेवा है। उन्होंने समाज में बेटियों के सम्मान और संरक्षण के लिए जनजागरण अभियान चलाने का संकल्प लिया।

सूचना देने वालों को मिलेगा इनाम...

- अवैध लिंग जांच की सूचना देने वाले की पहचान रहेगी गुप्त
- पुख्ता जानकारी देने पर एक लाख रुपये तक प्रोत्साहन राशि

सूचना के लिए संपर्क करें

- सिविल सर्जन, कैथल : 7015076400
- जिला नोडल अधिकारी, पीसी-पीएनडीटी : 9416182915

अवैध लिंग जांच पर सख्त सजा का प्रावधान...

- गर्भ में शिशु का लिंग बताना या जांच करवाना गैरकानूनी
- पहली बार दोषी पाए जाने पर 3 वर्ष तक की सजा
- 10 हजार रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकता है
- दोबारा अपराध पर 5 वर्ष तक की सजा
- 50 हजार रुपये या अधिक जुर्माना संभव
- संबंधित चिकित्सक का लाइसेंस भी रद्द किया जा सकता है

» न्यूज ब्रीफ

'जनता की कमाई को किश्तों में लूट रही मोदी सरकार': खरगे

नई दिल्ली » कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को ईंधन की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी करने पर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी आम आदमी की कमाई को किश्तों में लूट रही है। कीमतों में हुई इस नवीनतम बढ़ोतरी पर प्रतिक्रिया देते हुए खर्गे ने कहा कि अतीत में जब अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें गिरीं, तो केंद्र सरकार ने नागरिकों को इसका पूरा लाभ नहीं दिया। उन्होंने कांग्रेस के इस आरोप को भी दोहराया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समझौते के तहत काम कर रहे हैं।

आज जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक

कैथल » जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक 25 मई को दोपहर दो बजे आरकेएसडी कॉलेज के सभागार में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा करेंगे। डीसी अपराजिता ने बताया कि बैठक में सभी विभागाध्यक्ष मौजूद रहेंगे, ताकि लोगों की समस्याओं और परिवादों का मौके पर समाधान किया जा सके।

विदेश से रिश्तेदार या बच्चों के नाम पर हो रही साइबर ठगी

» एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने लोगों को किया सतर्क, बोले- घबराहट में न भेजें पैसे

हिन्दुस्तान एकता » कैथल

जिले में लगातार बढ़ रहे साइबर अपराधों को लेकर पुलिस प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने बताया कि साइबर ठग अब विदेशों में रह रहे रिश्तेदारों या बच्चों के नाम पर लोगों को निशाना बना रहे हैं और नए-नए तरीकों से ठगी को अंजाम दे रहे हैं।

एसपी ने बताया कि आजकल बड़ी संख्या में युवा पढ़ाई और नौकरी के सिलसिले में विदेशों में रह रहे हैं। साइबर अपराधी इसी स्थिति का फायदा उठाकर लोगों को फोन करते हैं और खुद को रिश्तेदार या जानकार बताकर कहते हैं कि आपके बेटे या रिश्तेदार का किसी से झगड़ा हो गया है, एक्सीडेंट हो गया है या पुलिस ने किसी मामले में पकड़ लिया है। इसके बाद समझौते या कानूनी कार्रवाई के नाम पर पैसों की मांग की जाती है।

उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में परिजन घबरा जाते हैं और बच्चों के भविष्य को देखते हुए बिना जांच-पड़ताल किए जल्दबाजी में पैसे भेज देते हैं। बाद में पता चलता है कि उनके साथ साइबर ठगी हो चुकी है।

एसपी ने बताया कि ठग एक अन्य तरीके से भी लोगों को निशाना बना रहे हैं। साइबर अपराधी विदेश में रहने वाला रिश्तेदार बनकर फोन करते हैं और कहते हैं कि उन्होंने आपके खाते में पैसे भेजे हैं, जिन्हें भारत में कोई एजेंट आकर ले जाएगा। इसके लिए वे व्हाट्सएप पर नकली रसीद भी भेज देते हैं। इसके अलावा ठग यह भी कहते हैं कि खाते में पैसे डालने के लिए एक लिंक भेजा जाएगा, जिस पर क्लिक करना होगा। जैसे ही व्यक्ति लिंक पर क्लिक करता है, उसका बैंक खाता खाली हो जाता है।

एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने लोगों से अपील की कि इस तरह की कॉल आने पर घबराने की बजाय संयम से काम लें और पहले पूरी जांच करें। विदेश में रह रहे अपने परिचित या रिश्तेदार से सीधे संपर्क कर सच्चाई की पुष्टि करें। इसके बाद ही कोई कदम उठाएं।

उन्होंने कहा कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और न ही किसी अज्ञात व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंक डिटेल या अन्य जरूरी दस्तावेज साझा करें। सावधानी और सतर्कता से ही साइबर अपराधियों के जाल से बचा जा सकता है।

कैथल में नकली एनसीईआरटी किताबों का भंडाफोड़

» **कैथल।** मुख्यमंत्री उड़नदस्ता हरियाणा और थाना शहर कैथल पुलिस की संयुक्त टीम ने पिहोवा चौक स्थित नवीन बुक डिपो पर छापेमारी कर एनसीईआरटी की नकली पुस्तकों का बड़ा जखीरा बरामद किया है। मामले में दुकान संचालक हुड्डा सेक्टर-19 निवासी नवीन कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रवक्ता प्रवीन श्योकंद ने बताया कि मुख्यमंत्री उड़नदस्ता कुरुक्षेत्र/कैथल को गुप्त सूचना मिली थी कि नवीन बुक डिपो में एनसीईआरटी की नकली किताबों का अवैध भंडारण और विक्रय किया जा रहा है। सूचना के आधार पर एसआई राजबीर सिंह के नेतृत्व में टीम ने दुकान पर छापा मारा।

कार्रवाई के दौरान एनसीईआरटी दिल्ली से सहायक व्यापार प्रबंधक पदम सिंह भाटी और उत्पादन सहायक अश्वनी माचरा भी मौके पर मौजूद रहे। शिक्षा विभाग की ओर से उप जिला शिक्षा अधिकारी जयभगवान, उप अधीक्षक प्रवीन थरेजा और सहायक सुखबीर सिंह ने भी जांच में सहयोग किया। थाना शहर कैथल से एसआई सत्यवान सिंह और एएसआई मुकेश कुमार की टीम भी कार्रवाई में शामिल रही। संयुक्त टीम ने दुकान में रखी पुस्तकों की जांच की। इस दौरान कक्षा नौवीं की अंग्रेजी माध्यम विज्ञान विषय की 483 पुस्तकें संदिग्ध पाई गईं।

शहीद की प्रतिमा खंडित करने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

हिन्दुस्तान एकता » कैथल

गांव बालू में शहीद कर्मचंद की प्रतिमा को खंडित करने के मामले में थाना कलायत पुलिस और एंटी नारकोटिक सेल ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी गांव बालू निवासी मिठून को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के निर्देश पर गिरफ्तार किया गया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और उसे शुक्रवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

थाना कलायत के जांच अधिकारी पीएसआई पंकज ने बताया कि ग्राम पंचायत बालू के सरपंच दिनेश कुमार ने शिकायत दी थी कि 16/17 मई 2026 की रात किसान रोड बस स्टैंड के पास स्थापित शहीद कर्मचंद की प्रतिमा को अज्ञात व्यक्ति ने क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना से गांववासियों और सैनिक संगठनों में रोष फैल गया था तथा लोगों की भावनाएं आहत हुई थीं। शिकायत के आधार पर थाना कलायत में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी मिठून को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को घटनास्थल पर ले जाकर निशानदेही भी करवाई गई। पुलिस जांच में सामने आया कि वारदात के समय आरोपी मिठून के साथ एक 17 वर्षीय नाबालिग और गांव बालू निवासी सावन भी मौजूद थे। मामले में नाबालिग को पहले ही पकड़ लिया गया था, जबकि सावन को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि आरोपी मिठून ने शराब के नशे में प्रतिमा को नुकसान पहुंचाया था। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में भीषण एनकाउंटर...

2-3 आतंकवादियों के छिपे होने का शक, सुरक्षाबलों ने घेरा

» **नई दिल्ली।** जम्मू-कश्मीर के राजौरी के दोरिमाल जंगलों में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ छिड़ गई। कम से कम 2-3 आतंकवादियों के फंसे होने की आशंका है और बाकी आतंकवादियों की तलाश के लिए तलाशी अभियान जारी है। आतंकवादियों की गतिविधि की सूचना मिलने पर सुरक्षा बलों ने जंगल में तलाशी अभियान चलाया। इसी दौरान आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी की और मुठभेड़ शुरू हो गई। इस साल फरवरी में भारतीय सेना के व्हाइट नाइट कोर ने किश्तवार से आतंकी नेटवर्क के खात्मे की घोषणा की थी। भारतीय सेना ने सात आतंकवादियों की तस्वीरें पोस्ट की थीं। पोस्ट में लिखा था, ₹326 दिनों के बाद किश्तवार में आतंकी नेटवर्क का खात्मा कर दिया गया है। पोस्ट में बताया गया था कि मारे गए आतंकवादियों में जैश कमांडर सैफुल्लाह भी शामिल था, जो किश्तवार आतंकी हमले का मास्टरमाइंड था।

लेह में सेना का चीता हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त

» **नई दिल्ली।** लद्दाख के ऊंचे पहाड़ी इलाके लेह से एक बड़ी खबर सामने आई है। लेह के दक्षिण-पूर्व में स्थित तांगत्से के पास भारतीय सेना का एक 'चीता' हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में सेना के 3 डिवीजन (जिसे प्रसिद्ध 'त्रिशूल डिवीजन' भी कहा जाता है) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) समेत तीनों सैन्य अधिकारी चमत्कारिक रूप से बाल-बाल बच गए। यह हादसा बुधवार को हुआ था, लेकिन सुरक्षा कारणों से इसकी आधिकारिक जानकारी शनिवार (23 मई 2026) को सामने आई है। सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की है कि चॉपर में सवार तीनों लोगों को मामूली चोटें आई हैं और वे पूरी तरह सुरक्षित हैं।

रोजगार मेला में बोले भारत के प्रधानमंत्री...

दुनिया समझती है भारत के युवाओं की स्किल को, उनकी डिमांड कल्पना से परे बढ़ेगी: मोदी

» **नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 19वें रोजगार मेला में 51 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र सौंपा। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का दिन युवाओं के लिए बहुत खास है, क्योंकि अब वे देश की विकास यात्रा में जुड़ गए हैं। वे अब देश की विकास यात्रा के महत्वपूर्ण और जिम्मेदार पार्टनर हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि जिन युवाओं को नियुक्ति पत्र मिला है वे रेलवे, बैंकिंग, डिफेंस, हेल्थ, एजुकेशन और कई दूसरे सेक्टर में नई जिम्मेदारियां संभालने जा रहे हैं। आने वाले सालों में एक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में ये युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि आपको यहां तक पहुंचाने में आपके परिवार और समाज ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज हर भारतीय एक बड़े संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। ये संकल्प 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का है।युवा वर्ग को चाहिए कि वे विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए ना सिर्फ अपने परिवार का सोच कर काम करें, बल्कि अपने समाज और देश के लिए भी सोचें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत भी दुनिया के अलग अलग देशों के साथ पार्टनरशिप कर रहा है। इसका उद्देश्य यही है कि भारत के युवाओं को अवसर मिले, रोजगार मिले, उनका सामर्थ्य खिल उठे। साथ ही साथ मैं चाहता हूं कि देश के नौजवानों को ग्लोबल एक्सपोजर भी मिले।पीएम मोदी ने कहा कि मैं अभी दो दिन पहले पांच देशों की यात्रा करके लौटा हूं।

आदेश » डीसी अपराजिता बोलीं- शिकायतकर्ता असंतुष्ट मिलने पर अधिकारियों पर गिरेगी गाज

सीएम विंडो जनता का सरकार पर विश्वास

हिन्दुस्तान एकता » कैथल

डीसी अपराजिता ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की प्राथमिकता आमजन की समस्याओं का त्वरित और संतोषजनक समाधान करना है। ऐसे में सीएम विंडो पर आने वाली शिकायतों का निपटारा पारदर्शी, प्रभावी और समयबद्ध तरीके से किया जाए। लंबित शिकायतों पर विशेष फोकस करते हुए उनका जल्द समाधान सुनिश्चित किया जाए। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। डीसी लघु सचिवालय सभागार में सीएम विंडो पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रही थीं। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक लेकर सभी उपायुक्तों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कहा कि शिकायतों का निपटारा केवल औपचारिकता नहीं होना चाहिए, बल्कि शिकायतकर्ता को वास्तविक राहत मिलनी चाहिए। जो शिकायतें अभी तक ऑनलाइन स्वीकार भी नहीं की गई हैं, उन्हें तुरंत स्वीकार कर प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए।

डीसी ने सीटीएम कार्यालय को निर्देश दिए कि ऐसे 10 मामलों का रैंडम चयन किया जाए, जिन्हें विभागों ने निस्तारित दिखाया है लेकिन शिकायतकर्ता समाधान से संतुष्ट नहीं हैं। इन मामलों की समीक्षा की जाएगी और जांच में लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सीएम विंडो केवल ऑनलाइन पोर्टल नहीं, बल्कि जनता का सरकार पर विश्वास है। किसी भी शिकायत को बंद करने से पहले संबंधित शिकायतकर्ता से सीधे संवाद करना अनिवार्य होगा। यदि किसी कारणवश समस्या का समाधान संभव नहीं है तो शिकायतकर्ता को स्पष्ट और संतोषजनक कारण बताया जाए। साथ ही गुणवत्तापूर्ण एक्शन टेकन रिपोर्ट भी अपलोड की जाए।

बैठक में एसपी मनप्रीत सिंह, एडीसी डॉ. सुशील कुमार, सहायक आयुक्त (प्रशिक्षणाधीन) एवं एमडी शुगर मिल कृष्ण कुमार, एचएसवीपी ईओ वकील अहमद, एसडीएम संजय कुमार, कलायत एसडीएम अजय हुड्डा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जिले में सीएम विंडो शिकायतों की स्थिति

- **कुल प्राप्त शिकायतें :** 20,413
- **निस्तारित शिकायतें :** 20,106
- **कुल डिस्पोजल रेट :** 98.5 प्रतिशत
- लंबित मामलों के जल्द समाधान के निर्देश

सीबीआई जांच से ही ट्विशा शर्मा को मिलेगा न्याय परिवार का आया रिएक्शन

» **नई दिल्ली।** मॉडल से अभिनेत्री बनीं ट्विशा शर्मा की कथित दहेज हत्या मामले में गिरफ्तार पति समर्थ सिंह को शुक्रवार (22 मई) देर रात जबलपुर से भोपाल लाया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी को अदालत में पेश किया जाएगा और आगे पूछताछ के लिए उसकी न्यायिक हिरासत मांगी जाएगी।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि पूर्व न्यायाधीश और भोपाल उपभोक्ता अदालत की चेयरपर्सन गिरिबाला सिंह के बेटे सिंह को देर रात करीब एक बजकर 59 मिनट पर कटारा हिल्स पुलिस थाने लाया गया। ट्विशा शर्मा के अंकल लोकेश शर्मा ने कहा कि अगर जल्द से जल्द CBI जांच नहीं हुई, तो सबूतों से छेड़छाड़ और मृतका की छवि खराब करने की कोशिशें जारी रहेंगी।

राज्यसभा याचिका समिति के बने चेयरमैन...

आप छोड़कर बीजेपी में आए राघव चड्ढा को मिला बड़ा पद

» **नई दिल्ली।** राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा, जो हाल ही में आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं, को उच्च सदन की याचिका समिति का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। याचिका समिति के पुनर्गठन के बाद, राज्यसभा अध्यक्ष सी पी राधाकृष्णन ने समिति में सदन के 10 सदस्यों को मनोनीत किया। राज्यसभा की एक अधिसूचना में कहा गया है कि राघव चड्ढा को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि राज्यसभा अध्यक्ष द्वारा समिति का पुनर्गठन 20 मई से प्रभावी हो गया है। चड्ढा के अलावा समिति के सदस्य हैं: हर्ष महाजन, गुलाम अली, शंभू शरण पटेल, मयंककुमार नायक, मस्थान राव यादव बीधा, जेबी माथेर हिशाम, सुभाशीष खुंटिया, रंगवरा नारज़ारी और संदोष कुमार पी। एक अन्य अधिसूचना में, राज्यसभा सचिवालय ने कहा कि राज्यसभा के अध्यक्ष ने 20 मई, 2026 को राज्यसभा सदस्य डॉ. मेनका गुरुस्वामी को कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 पर संयुक्त समिति का सदस्य नामित किया है। वहीं, दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि राजनीतिक आलोचना और मानहानि के बीच की रेखा बहुत महीन है। इसके साथ ही अदालत ने सांसद राघव चड्ढा से सवाल किया कि क्या वह सोशल मीडिया पर उनके राजनीतिक निर्णय की आलोचना करने वाली पोस्टों के प्रति 'संवेदनशील' हो सकते हैं।

सुविचार

"भविष्य उन्हीं का है जो अपने सपनों की सुंदरता पर विश्वास करते हैं।"

संपादकीय

खेलों में भारत का बढ़ता प्रदर्शन और चुनौतियां

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने खेलों के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। एक समय था जब देश की पहचान केवल क्रिकेट तक सीमित मानी जाती थी, लेकिन आज भारतीय खिलाड़ी ओलंपिक, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। नीरज चोपड़ा, पी.वी. सिंधु, मीराबाई चानू, निकहत ज़रीन और भारतीय हॉकी टीम जैसे खिलाड़ियों ने देश का गौरव बढ़ाया है। यह बदलती तस्वीर भारत में खेलों के प्रति बढ़ती जागरूकता और मेहनत का परिणाम है। सरकार द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। "खेलो इंडिया" और "टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम" जैसी पहल ने युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराने में मदद की है। आधुनिक खेल अकादमियाँ, बेहतर कोचिंग और अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन को मजबूत किया है। इसके अलावा, मीडिया और सोशल मीडिया के कारण खिलाड़ियों को पहचान और प्रोत्साहन भी अधिक मिलने लगा है।

भारत के खिलाड़ियों ने केवल पारंपरिक खेलों में ही नहीं, बल्कि कुश्ती, मुक्केबाजी, बैडमिंटन, एथलेटिक्स और शूटिंग जैसे क्षेत्रों में भी विश्व स्तर पर अपनी प्रतिभा साबित की है। महिलाओं की भागीदारी में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो समाज में सकारात्मक बदलाव का संकेत है। आज ग्रामीण क्षेत्रों से निकलकर कई खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

हालांकि इन उपलब्धियों के बावजूद भारत के खेल क्षेत्र में कई चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। सबसे बड़ी समस्या खेल सुविधाओं और संसाधनों की असमान उपलब्धता है। महानगरों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशिक्षण, मैदान और कोचिंग की कमी देखने को मिलती है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के प्रतिभाशाली खिलाड़ी अक्सर उचित अवसर नहीं प्राप्त कर पाते।

इसके अतिरिक्त, कई खेलों को पर्याप्त प्रायोजन और लोकप्रियता नहीं मिलती। क्रिकेट की अत्यधिक लोकप्रियता के कारण अन्य खेल कई बार उपेक्षित रह जाते हैं। खेल संघों में भ्रष्टाचार और राजनीति भी खिलाड़ियों की प्रगति में बाधा बनती है। खिलाड़ियों के मानसिक स्वास्थ्य, पोषण और करियर सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

भारत यदि खेल महाशक्ति बनना चाहता है, तो केवल बड़े शहरों तक सीमित प्रयास पर्याप्त नहीं होंगे। विद्यालय स्तर से खेल संस्कृति को बढ़ावा देना होगा और हर बच्चे को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देना होगा। खेलों को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम समझना होगा। कहा जा सकता है कि भारत का खेल जगत एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। खिलाड़ियों की मेहनत, सरकार की योजनाएं और जनता का समर्थन देश को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहा है। यदि चुनौतियों का सही समाधान किया जाए, तो वह दिन दूर नहीं जब भारत विश्व खेल मंच पर एक सशक्त शक्ति के रूप में उभरेगा।

जो है नाम वाला वही गुमनाम है...

अनिल कुमार यादव
(सहायक प्राध्यापक खेल
विश्वविद्यालय हरियाणा, राई)

आज का समय मीडिया का समय है। सुबह आंख खुलते ही इंसान मोबाइल, टीवी, सोशल मीडिया, अखबार और इंटरनेट के माध्यम से मीडिया से जुड़ जाता है। राजनीति से लेकर खेल, शिक्षा, मनोरंजन, संस्कृति और सामाजिक जागरूकता तक हर क्षेत्र में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका दिखाई देती है। हर व्यक्ति मीडिया को जानता है, समझता है और उससे प्रभावित होता है, लेकिन जब बात शिक्षा के क्षेत्र में पत्रकारिता एवं जनसंचार की आती है, तब यह विषय कहीं न कहीं गुमनाम दिखाई देता है। यही कारण है कि यह पंक्ति बिल्कुल सही प्रतीत होती है—"जो है नाम वाला वही गुमनाम है।"

देश के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में लगभग हर विषय के लिए सहायक प्रोफेसर, प्रोफेसर और शिक्षकों की नियमित रिक्तियां निकलती रहती हैं, लेकिन पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय के लिए अवसर बहुत कम दिखाई देते हैं। यह एक गंभीर प्रश्न है कि जिस मीडिया के बिना आधुनिक समाज की कल्पना अधूरी है, उसी मीडिया शिक्षा को शिक्षा व्यवस्था में उचित स्थान क्यों नहीं मिल पा रहा। क्या मीडिया को केवल कैमरा, एंकरिंग और ग्लैमर तक सीमित समझ लिया गया है? जबकि वास्तविकता यह है कि मीडिया अध्ययन केवल समाचार तक सीमित नहीं, बल्कि समाज, संस्कृति, संचार, शोध, विज्ञापन, जनसंपर्क, डिजिटल मीडिया और लोकतंत्र की समझ से जुड़ा हुआ व्यापक विषय है।

(यह लेखक के निजी विचार है)

इस लेख को वेबसाइट पर पढ़ने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

हिंदुस्तान एकता कार्यालय

प्रिय पाठकगण,

यदि आप हिन्दुस्तान एकता में अपनी कोई रचना, लेख, कविता, कहानी, ग़ज़ल, समीक्षा, संस्मरण, जीवनी, बाल स्तंभ व महिला स्तंभ आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो हर महीने की 2, 9, 16, 23 तारीख तक इस ईमेल पर भेजें तथा देश के हर कोने तक अपनी आवाज को बुलंद करें।

ईमेल:
hindustanektaliterature@gmail.com

बेटी को उड़ना सिखा दिया, अब बेटे को सिखाओ पंख कतरना पाप है

आर.जे.रेखा
क्रिस्टल वॉयस
आकाशवाणी एफएम
गोल्ड 100.1

पिछले बीस साल में हमने एक क्रांति देखी है। बेटियों के हाथ में किताबें थमाईं, कंधे पर बस्ता टाँगा, पैरों में हौसले के जूते पहनाए। हमने नारा दिया — बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ। और बेटी सचमुच बच गई, पढ़ गई, उड़ गई। आज वो मंगल पर रॉकेट भेज रही है, कोर्ट में जज की कुर्सी पर बैठ रही है, ओलंपिक में तिरंगा लहरा रही है। हमने बेटी को उड़ना सिखा दिया। खुद बाइक चलाती है। यहां तक ट्रक, रिक्शा,ऑटो से लेकर लड़ाकू विमान तक उड़ाती है।धरती से लेकर अंतरिक्ष तक परचम लहराती है।विश्व रिकॉर्ड बनाती है।

पर ठहरिए। ये आधी कहानी है। क्योंकि वही बेटी जब शाम को घर लौटती है तो बस का रास्ता बदल लेती है। वही बेटी जब दफ्तर में प्रमोशन पाती है तो लोग उसकी मेहनत की जगह उसकी ईमानदारी पर सवाल उठाते हैं। वही बेटी जब शादी के बाद अपने सपने पूरे करना चाहती है तो ससुराल कहता है कि बहुत उड़ने लगी है, दबा कर रखो, पर थोड़े कतर कर रखो।

सवाल ये है — हमने बेटी को उड़ना तो सिखा दिया, पर बेटे को क्या सिखाया?

1. पिंजरा कौन बना रहा है?

एक लड़की को पैदा होने से पहले ही मार देने वाले हाथ किसके थे? दहेज के लिए जलाने वाली माचिस किसने जलाई? एसिड फेंकने वाले, पीछा करने वाले, दफ्तर में गलत तरीके से छूने वाले, राह चलते फब्तियां कसने वाली ज़ुबान किसकी है। लड़कियां अपने लिये लड़ने लगी तो गैंग में आकर उनकी बर्बादी की कहानी लिखने वाले हाथ किसके हैं?

जवाब कड़वा है, पर सच है — ज्यादातर बार ये हाथ बेटों के हैं। हमारे बेटों के।

हमने बेटी को कराटे सिखाया ताकि वो खुद को बचा सके। पर हमने बेटे को ये क्यों नहीं सिखाया कि लड़की कोई टारगेट नहीं होती? हमने बेटी को अपने साथ पैपर स्प्रे रखना सिखाया। पर बेटे को ये क्यों नहीं सिखाया कि रात में अकेली जाती लड़की की इज्जत करना उसकी मर्दानगी है, कमजोरी नहीं? हमने समस्या का इलाज नहीं किया, हमने बेटी को ही कवच पहना दिया। पिंजरा बनाने वाले को खुला छोड़ दिया और पंछी से कहा -खुद को बचाओ।

2. परवरिश का अधूरा सिलेबस...

घरों में देखिए। बेटी से कहते हैं - बैठना सीखो, बोलना सीखो, सहना सीखो, घर बसाना सीखो। बेटे से कहते हैं — तू तो लड़का है, तू ये लड़कियों वाले काम करेगा?

बेटी की गलती पर पूरा खानदान शर्मिंदा होता है। बेटी का दुपट्टा हटा तो पूरे खानदान की इज्जत ले उड़ा। इज्जत की जिम्मेदार सिर्फ बेटी को बना दिया। बेटे की गलती पर हमने क्या कहा- 'लड़के हैं, हो जाती है गलती'। लड़की को अकेले घर से बाहर देर रात में नहीं रहना चाहिए था । मां बाप को पूछना चाहिए था कहां घूम रही है। यही वो पहली कैंची है जो किसी के पंख कतरने का हौसला देती है। क्योंकि हमने बेटियों के बाहर रहने का समय तय किया पर बेटों का नहीं। बेटियों के कंधों पर खानदान की इज्जत बचाए रखने की जिम्मेदारी तो डाल दी पर बेटों को ये जिम्मेदारी सिखाना भूल गए। गलत बेटा हुआ तो भी सवाल बेटी से हुआ। कीचड़ बेटी पर उछला। जब चार साल का बेटा अपनी बहन का खिलौना छीनता है तो हम हँसकर कहते हैं 'देदो वो नहीं मानेगा बहुत गुस्से वाला है'। जब वही बेटा सोलह साल का होकर किसी लड़की का दुपट्टा खींचता है तो हम कहते हैं 'उम्र ही ऐसी है"। हम भूल जाते हैं कि गुस्सा, ज़िद और दरिंदगी के बीच सिर्फ एक लाइन का फासला होता है, और वो लाइन हम खुद मिटाते हैं। बेटे को रसोई में घुसने नहीं दिया, कहा - ये लड़कियों का काम है। नतीजा? कल को वही बेटा अपनी पत्नी से उम्मीद करेगा कि वो नौकरी भी करे, घर भी संभाले, बच्चे भी पाले और उसके सारे काम भी करे। क्योंकि हमने उसे हिस्सेदारी नहीं हुकूमत सिखाई।

3. इज्जत का ठेका सिर्फ बेटी के नाम क्यों?

किसी घर की इज्जत बेटी के कपड़ों से तय होती है, बेटे के किरदार से नहीं। लड़की ने जींस पहनी तो खानदान की नाक कट गई। लड़के ने शराब पीकर गाड़ी ठोक दी, किसी को छेड़ दिया — जवान खून है, जोश में हो गया।

ये दोहरा मापदंड ही सबसे बड़ा पाप है। जब तक इज्जत का बोझ सिर्फ बेटी के कंधों पर रहेगा, बेटे बेलगाम रहेंगे। जिस दिन घर की इज्जत बेटे की नजरों से, उसकी जुबान से, उसके हाथों से तय होने लगेगी, उस दिन आधे अपराध वैसे ही खत्म हो जाएंगे। एक पिता अपनी बेटी से कहता है "बेटा, किसी से डरना मत'। बहुत अच्छा। पर क्या वही पिता अपने बेटे से कहता है -बेटा, किसी को डराना मत? शायद नहीं। यहीं हम चूक जाते हैं।

4. मर्दानगी की नई परिभाषा गढ़नी होगी।

हमें अपने बेटों को बताना होगा कि असली मर्द वो नहीं जो आवाज ऊँची करके बात मनवाए। असली मर्द वो है जो औरत की 'ना' को 'ना' समझे। असली मर्द वो नहीं जो भीड़ में लड़की पर कमेंट पास करे। असली मर्द वो है जो भीड़ में किसी को ऐसा करने से रोके।

5. अब बेटे को क्या सिखाएं? — 5 सीधी बातें।

1. **ना का मतलब ना होता है।**
चाहे वो हंसी में कही गई हो, मैसेज पर लिखी हो, या आधी रात को तुम्हारी पत्नी द्वारा ही बोली गई हो। ना का मतलब सिर्फ ना है। उसमें अपनी मर्जी मत ढूंढो।
2. **घर का काम जेंडर नहीं देखता।**
बर्तन, खाना, झाड़ू- ये लिविंग स्किल हैं, सजा नहीं। जो बेटा अपनी मां का हाथ बंटाता है, वो कल अपनी पत्नी का साथी बनेगा, मालिक नहीं।
3. **दोस्ती और हक में फर्क है।**
कोई लड़की तुमसे हंसकर बात कर ले तो वो तुम्हारी जिम्मेदारी नहीं बन गई। दोस्ती का मतलब दोस्ती है। उसकी मर्जी के बिना उसे छूना, मैसेज करना, पीछा करना, ये सब पंख कतरना है।
4. **गुस्सा जुबान पर नहीं, कंट्रोल में रखो**
मर्दानगी हाथ उठाने में नहीं, हाथ रोक लेने में है। अगर गुस्सा आए तो कमरे से बाहर चले जाओ, पर किसी पर, खासकर किसी औरत पर हाथ मत उठाओ।
5. **गलत को गलत कहो।**
तुम्हारा दोस्त किसी लड़की पर कमेंट करे तो चुप मत रहो। उसे टोको क्योंकि जो गलत का विरोध नहीं करता, वो भी गुनाह में शामिल होता है। और हिस्सेदार माना जाता है।

आखिरी बात — पाप और पुण्य का हिसाब।

(यह लेखिका के निजी विचार है)

इस लेख को वेबसाइट पर पढ़ने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

घर की पहली शिक्षक: मां और बदलता पालन-पोषण

डॉ. सत्यवान सौरभ
कवि, सामाजिक विचारक एवं स्तंभकार, आकाशवाणी एवं टीवी पैनालिस्ट

मां केवल एक शब्द नहीं, बल्कि जीवन की सबसे गहरी अनुभूति है। संसार में बच्चे की पहली पहचान, पहला स्पर्श, पहला भरोसा और पहली शिक्षा माँ से ही शुरू होती है। किसी भी समाज की सभ्यता और संवेदनशीलता इस बात से आँकी जा सकती है कि वहाँ मातृत्व को कितना सम्मान और महत्व दिया जाता है। आधुनिक समय में भले ही शिक्षा के बड़े-बड़े संस्थान, डिजिटल तकनीक और करियर की दौड़ ने जीवन की दिशा बदल दी हो, लेकिन आज भी यह सत्य उतना ही मजबूत है कि बच्चे की पहली शिक्षक उसकी माँ ही होती है।

बच्चा जब जन्म लेता है, तब वह इस दुनिया की भाषा नहीं जानता। वह शब्दों को नहीं समझता, लेकिन भावनाओं को महसूस करता है। माँ की गोद में उसे सुरक्षा मिलती है, उसके स्पर्श में अपनापन और उसकी आवाज़ में विश्वास मिलता है। यही वह शुरुआती शिक्षा है जो किसी किताब या स्कूल में नहीं मिलती। माँ बच्चे को केवल चलना या बोलना नहीं सिखाती, बल्कि जीवन को समझना भी सिखाती है। प्यार क्या होता है, दूसरों का सम्मान कैसे करना चाहिए, दुख में धैर्य कैसे रखना चाहिए और रिश्तों को कैसे निभाना चाहिए—इन सबका पहला पाठ घर में माँ ही पढ़ाती है। विद्यालय बच्चों को विज्ञान, गणित और भाषा सिखाते हैं, लेकिन नैतिक मूल्य घर से आते हैं। बच्चा अपनी माँ के व्यवहार को रोज़ देखता है। वह देखता है कि माँ पूरे परिवार की ज़रूरतों का ध्यान कैसे रखती है, बिना थके हर सदस्य की चिंता कैसे करती है और अपने हिस्से की इच्छाओं का त्याग करके परिवार को प्राथमिकता कैसे देती है। यही दृश्य बच्चे के भीतर संवेदनशीलता, सहानुभूति और जिम्मेदारी की भावना पैदा करते हैं। बच्चा बोलने से पहले देखना सीखता है और वही देखी हुई बातें उसके व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाती हैं।

माँ बच्चे के चरित्र निर्माण की सबसे बड़ी आधारशिला होती है। यदि घर का वातावरण प्रेमपूर्ण और सम्मानजनक होगा, तो बच्चा भी समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करेगा। यदि माँ दूसरों के प्रति दया और सहानुभूति दिखाती है, तो बच्चा भी वही सीखता है। यही कारण है कि समाज की वास्तविक शिक्षा घरों में होती है, स्कूलों में केवल उसका विस्तार होता है। लेकिन बदलते समय के साथ पालन-पोषण का स्वरूप भी बदल रहा है। आज की दुनिया पहले जैसी नहीं रही। महंगाई, करियर की प्रतिस्पर्धा और आधुनिक जीवनशैली ने परिवारों की संरचना और रिश्तों के स्वरूप को प्रभावित किया है। पहले संयुक्त परिवारों में बच्चे दादा-दादी, चाचा-चाची और पूरे परिवार के बीच बड़े होते थे। अब अधिकांश परिवार छोटे हो गए हैं। माता-पिता दोनों कामकाजी हैं और बच्चों के साथ बिताने का समय सीमित होता जा रहा है। विशेष रूप से कामकाजी माताओं के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती है—करियर और मातृत्व के बीच संतुलन बनाना। समाज अक्सर यह मान लेता है कि यदि माँ घर से बाहर काम कर रही है तो वह बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पा रही होगी। लेकिन यह सोच अधूरी है। आज की माँ केवल घर संभालने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह आर्थिक जिम्मेदारियाँ भी निभा रही है। वह ऑफिस में काम करती है, घर लौटकर बच्चों की देखभाल करती है और परिवार की भावनात्मक जरूरतों को भी पूरा करती है। यह दोहरी जिम्मेदारी आसान नहीं है।

कई बार कामकाजी माताएँ अपराधबोध का शिकार हो जाती हैं कि वे अपने बच्चों को उतना समय नहीं दे पा रहीं जितना देना चाहिए। लेकिन पालन-पोषण केवल समय की मात्रा से तय नहीं होता, बल्कि उस समय की गुणवत्ता से तय होता है। यदि माँ सीमित समय में भी बच्चों के साथ संवाद करती है, उनकी भावनाओं को समझती है और सही संस्कार देती है, तो उसका प्रभाव गहरा होता है।

आज के बच्चे पहले की तुलना में अधिक आत्मनिर्भर हो रहे हैं। माता-पिता के व्यस्त रहने के कारण वे अपने छोटे-छोटे काम स्वयं करना सीख रहे हैं। वे समय का प्रबंधन करना, अकेले रहना और बदलते परिवेश में खुद को ढालना सीख रहे हैं। कई बच्चे अकेले समय में नई रचनात्मक गतिविधियों की ओर भी बढ़ रहे हैं। यह बदलाव सकारात्मक भी हो सकता है, यदि बच्चों को सही दिशा और भावनात्मक सहयोग मिलता रहे।

लेकिन इस बदलते पालन-पोषण के कुछ खतरे भी हैं। आज तकनीक ने बच्चों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और इंटरनेट बच्चों के जीवन का बड़ा हिस्सा बन चुके हैं। कई बार माता-पिता की व्यस्तता बच्चों को भावनात्मक रूप से अकेला कर देती है। बच्चे अपनी समस्याएँ साझा करने के बजाय डिजिटल दुनिया में खोने लगते हैं। ऐसे समय में माँ की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उसे केवल बच्चों की पढ़ाई या भोजन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उनके मन की स्थिति को भी समझना चाहिए।

(यह लेखक के निजी विचार है)

इस लेख को वेबसाइट पर पढ़ने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

मीडिया पाठ्यक्रमों में दाखिले से युवाओं को मिलते हैं अनेक रोजगार

डॉ. अभिनव,
असिस्टेंट प्रोफेसर, जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र

मई का महीना सरकारी एवं गैर सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में दाखिला प्रक्रियों का समय है। निःसंदेह यह समय विद्यार्थियों के साथ अभिभावकों के लिए गहन विचार-विमर्श का भी समय है कि बारहवीं या बैचलर के बाद कौन से पाठ्यक्रम में दाखिला लिया जाए जिससे भविष्य में रोजगार की असीम संभावनाएं खुलती हो ? प्रत्येक क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा के समय में विद्यार्थियों के अभिभावकों के लिए यह विचार-विमर्श पहले से ज्यादा हो गंभीर हो चला है! वर्तमान समय में विभिन्न सरकारी एवं गैरसरकारी शैक्षणिक संस्थान अनेकों पाठ्यक्रमों में आवेदन आमंत्रित करते हैं इसी क्रम में वर्तमान समय में सबसे चर्चित पाठ्यक्रमों में एक है पत्रकारिता एवं जन संचार का पाठ्यक्रम जिनमें विद्यार्थियों के दाखिले लेने की पिछले एक दशक में ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रमों की ओर विद्यार्थियों का रुझान उनके व्यक्तित्व निर्माण के साथ रोजगार की असीम संभावनाएँ प्रदान करता हैं। वर्तमान समय में मीडिया पाठ्यक्रम इसके लिए उपयुक्त नाम 'मीडिया' का शब्द हो चला क्योंकि यह आम बोलचाल में अधिक विस्तृत हो चला है जो मीडिया पाठ्यक्रम और मीडिया कार्यक्षेत्र को परिभाषित करता है।

मीडिया पाठ्यक्रम में आने के लिए विद्यार्थियों के लिए बारहवीं और बैचलर की उत्तीर्ण किसी भी विषय में रखी गई है जिसे तहत विद्यार्थी किसी सरकारी एवं गैरसरकारी मीडिया शैक्षणिक संस्थान में दाखिला ले सकता है। दूसरी तरफ हरियाणा, हिमाचल, पंजाब, नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार इत्यादि हिंदी पट्टी के राज्यों में सरकारी एवं गैरसरकारी कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों में मीडिया शैक्षणिक संस्थानों स्थापनाएँ एवं सीटो में बढ़ोतरी हुई है। आंकड़ों के अनुसार हरियाणा में 22 राजकीय स्कूलों, 14 राजकीय कॉलेजों, 14 गैर राजकीय कॉलेजों, 10 राजकीय विश्वविद्यालयों, 10 गैर राजकीय विश्वविद्यालयों में पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रमों का संचालन हो रहा है जो मीडिया क्षेत्र के सभी प्रकार की जरूरतों को पूर्ण करते हैं। इसके साथ ही एनसीआर में 20 से अधिक मीडिया शैक्षणिक संस्थान संचालित हो रहे हैं। वही भारत में अनुमानित कुल मीडिया शिक्षा संस्थानों की बात करें तो कॉलेज देखो के अनुसार भारत में लगभग 1,800 मीडिया और जनसंचार कॉलेज वहीं शिक्षा के अनुसार लगभग 2,500 जन संचार और मीडिया कॉलेज, जिनमें निजी, सरकारी और सार्वजनिक-निजी संस्थान शामिल हैं।

मीडिया पाठ्यक्रमों में दाखिले से प्रतिभावना युवाओं को अनेक क्षेत्रों में रोजगार मिलता है जिनमें प्रमुख हैं- प्रिंट मीडिया में फ्रीलांसर, कंटेंट राइटर, कंटेंट क्रिएटर कॉलम राइटर, रिपोर्टर, ब्यूरों चीफ, सब एडिटर, सीनियर सब एडिटर, न्यूज़ एडिटर, एडिटर, समाचार समीक्षक, दूसरी तरफ ऑल इंडिया रेडियो, सामुदायिक रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, विभिन्न न्यूज़ चैनल में अनेक पदों पर कार्य कर सकते हैं। इसके साथ ही युवा वीडियो एडिटर, फिल्म एडिटर, फोटोग्राफी, टेलीविजन कंटेंट प्रोड्यूसर, सफल यू-ट्यूबर, विभिन्न राजनीति पार्टियों के मीडिया मैनेजमेट एक्सपर्ट, डिजिटल मीडिया एक्सपर्ट, स्पीच राइटर के रूप में अपार संभावनाएँ है।

वर्तमान में भारतीय मीडिया उद्योग दुनिया के सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ते मीडिया बाजारों में से एक है। इसमें टेलीविजन, फिल्म, डिजिटल मीडिया, प्रिंट, रेडियो, गेमिंग, विज्ञापन, ओटीटी स्ट्रीमिंग, संगीत, एनीमेशन और निर्माता-संचालित सामग्री शामिल है। वर्तमान समय में एआई-जनित सामग्री, क्षेत्रीय भाषाओं में कंटेंट में अथाह बढ़ोतरी, ओटीटी का दबदबा, लघु-रूप वीडियो विकास, प्रभावशाली व्यक्ति के नेतृत्व वाला विज्ञापन, पॉडकास्ट विकास, डिजिटल-प्रथम पत्रकारिता ने इसे ओर अधिक विस्तृत रूप दे दिया है।

जिन विद्यार्थियों की लेखन में रुचि है वे सरकारी एवं गैर सकारी विभागों, संस्थानों, कंपनियों में जनसम्पर्क अधिकारी के तौर पर कार्य सकते हैं। दूसरी तरफ विज्ञापन के क्षेत्र में विद्यार्थी देश-विदेश की जानी-मानी विज्ञापन कंपनियों में कार्य कर करते हैं। वर्तमान समय में इंटरनेट के बढ़ते उपभोक्ताओं के कारण सोशल मीडिया अपना वर्चस्व स्थापित करने में कामयाब हुआ है, इस सोशल मीडिया के लिए कंटेंट क्रिएटर, वीडियो क्रिएटर, वीडियो संपादन के माध्यम से पत्रकारिता के बहुसंख्यक विद्यार्थी अपना करियर का निर्माण कर चुके हैं और कर रहे हैं।

(यह लेखक के निजी विचार है)

इस लेख को वेबसाइट पर पढ़ने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

कॉकरोच जनता पार्टी और युवाओं का आभासी विद्रोह

महेन्द्र तिवारी, भूतपूर्व वायुसैनिक, संप्रति राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली में कार्यरत

भारत में राजनीति हमेशा केवल चुनाव, दलों और भाषणों तक सीमित नहीं रही। समय बदलने के साथ राजनीति की भाषा, उसके प्रतीक और विरोध के तरीके भी बदलते रहे हैं। कभी सड़कों पर नारे लगाकर विरोध दर्ज कराया जाता था, कभी कविताओं और व्यंग्य के माध्यम से व्यवस्था पर चोट की जाती थी और अब इंटरनेट तथा सोशल मीडिया के दौर में मीम, छोटे वीडियो और व्यंग्यात्मक अभियानों ने नई राजनीतिक अभिव्यक्ति का रूप ले लिया है। हाल के दिनों में "कॉकरोच जनता पार्टी" नाम ने इसी नई राजनीति और डिजिटल असंतोष को सामने ला दिया है। पहली बार यह नाम सुनने वाला व्यक्ति इसे मजाक समझ सकता है, लेकिन जब इसके पीछे की परिस्थितियों, इसके प्रसार और इसके सामाजिक प्रभाव को देखा जाता है तो यह स्पष्ट होता है कि यह केवल मनोरंजन नहीं बल्कि एक बड़े मानसिक और सामाजिक असंतोष का प्रतीक बन चुका है।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि कॉकरोच जनता पार्टी अभी तक भारत निर्वाचन आयोग में पंजीकृत कोई औपचारिक राजनीतिक दल नहीं है। इसका कोई आधिकारिक चुनाव चिन्ह, राष्ट्रीय कार्यालय या स्थापित संगठनात्मक ढांचा सामने नहीं आया है। यह मूल रूप से सोशल मीडिया पर शुरू हुआ एक व्यंग्यात्मक अभियान है, जिसने बहुत कम समय में व्यापक लोकप्रियता प्राप्त कर ली। इंटरनेट पर सक्रिय युवाओं ने इसे एक प्रतीक के रूप में अपनाया और देखते ही देखते यह नाम लाखों लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। कई सोशल मीडिया मंचों पर इसके नाम से पेज, पोस्टर, नकली घोषणापत्र और व्यंग्यात्मक संदेश फैलने लगे। कुछ ही दिनों में इसके वीडियो और चित्र इतने अधिक साझा किए गए कि मुख्यधारा के समाचार माध्यमों को भी इस पर चर्चा करनी पड़ी।

इस पूरे अभियान की पृष्ठभूमि में युवाओं की नाराजगी और सामाजिक निराशा दिखाई देती है। पिछले कुछ वर्षों में देश में बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ियां, नियुक्तियों में देरी, महंगाई और आर्थिक दबाव जैसे मुद्दों ने युवाओं के भीतर गहरी बेचैनी पैदा की है। लाखों छात्र वर्षों तक परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन कई बार परीक्षाएं रद्द हो जाती हैं, परिणामों में देरी होती है या भर्ती प्रक्रिया लंबे समय तक अटक जाती है। इससे युवाओं के भीतर यह भावना बढ़ी है कि उनकी मेहनत और संघर्ष को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। इसी वातावरण में जब सार्वजनिक चर्चाओं में बेरोजगार युवाओं के लिए अपमानजनक शब्दों के उपयोग की चर्चा हुई, तब सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। लोगों ने उसी अपमानजनक शब्द को व्यंग्य और प्रतिरोध के प्रतीक में बदल दिया। "कॉकरोच" शब्द इसी प्रक्रिया में विरोध का माध्यम बन गया।

कॉकरोच को सामान्यतः ऐसा जीव माना जाता है जिसे लोग गंदगी, उपेक्षा और असुविधा से जोड़ते हैं। उसे बार बार खत्म करने की कोशिश की जाती है, लेकिन वह फिर भी जीवित रह जाता है। इस प्रतीक को आंदोलन से जोड़कर यह संदेश दिया गया कि व्यवस्था चाहे जितनी उपेक्षा करे, आम नागरिक और युवा पूरी तरह समाप्त नहीं होते। वे हर बार नए रूप में सामने आते हैं और अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। यही कारण है कि इस नाम ने इंटरनेट पर गहरी प्रतीकात्मक शक्ति हासिल कर ली। सोशल मीडिया ने इस अभियान को फैलाने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई। आज इंटरनेट केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है। यह जनमत निर्माण, राजनीतिक प्रचार और सामाजिक बहस का बड़ा मंच बन चुका है। पहले जहां किसी आंदोलन को फैलाने में महीनों लग जाते थे, वहीं अब कुछ घंटों में कोई विषय राष्ट्रीय चर्चा बन सकता है। कॉकरोच जनता पार्टी के साथ भी यही हुआ। हजारों युवाओं ने व्यंग्यात्मक चित्र, काल्पनिक घोषणापत्र और मजाकिया वीडियो बनाकर साझा किए। कई पोस्टों में बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार और राजनीतिक वादों पर तीखा व्यंग्य किया गया। कुछ लोगों ने इसे "डिजिटल विद्रोह" कहा तो कुछ ने इसे व्यवस्था से निराश युवाओं की सामूहिक अभिव्यक्ति बताया।

इस अभियान की लोकप्रियता का एक कारण यह भी है कि आज का युवा पारंपरिक राजनीतिक भाषा से जल्दी प्रभावित नहीं होता।

(यह लेखक के निजी विचार है)

इस लेख को वेबसाइट पर पढ़ने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

न्यूज ब्रीफ

पंचतत्व में विलीन हुए उत्तराखंड के पूर्व सीएम भुवन चंद्र खंडूरी

नई दिल्ली » खड़खड़ी शमशान घाट पर गमगीन माहौल में खंडूरी के पुत्र मनीष ने उनकी चिता को मुखाग्नि दी। इस मौके पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर सहित प्रदेश और देश के अनेक नेता नम आंखों से खंडूरी को अंतिम विदाई देने के लिए मौजूद थे। इससे पहले, दिवंगत नेता की पार्थिव देह को देहरादून में बलबीर रोड स्थित प्रदेश भाजपा मुख्यालय में लाया गया जहां मुख्यमंत्री समेत अन्य पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

आर्थिक तूफान सिर पर है और पीएम इटली में टॉफी बांट रहे हैं: राहुल

नई दिल्ली » आर्थिक तूफान सिर पर है और हमारे प्रधानमंत्री इटली में टॉफी बांट रहे हैं। किसान, युवा, महिलाएं, मजदूर और छोटे व्यापारी सब रो रहे हैं और प्रधानमंत्री हंसकर रील बना रहे हैं और बीजेपी वाले ताली बजा रहे हैं। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट करके पीएम मोदी पर निशाना साधा है। रायबरेली में बहुजन स्वाभिमान सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी सरकार में लगातार संविधान पर हमला हो रहा है। संविधान की रक्षा के लिए हमें सामने आना होगा, लेकिन हम चुप रह जाते हैं। उन्होंने कहा कि हम वीरा पासी और डॉ आंबेडकर को याद तो करते हैं, लेकिन जिस विचारधारा के लिए वे खड़े थे, उसकी ठीक से रक्षा नहीं कर रहे हैं, क्योंकि हमारी आंखों के सामने संविधान पर हमला हो रहा है।

जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता का कार्यक्रम

अमेरिकी विदेश मंत्री दिल्ली पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी से की बातचीत

एजेंसी » नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ व्यापक चर्चा की, जिसमें व्यापार, ऊर्जा सहयोग, निवेश, उभरती प्रौद्योगिकियां और जन-संबंधों पर विशेष ध्यान दिया। यह दौरा क्वाड समूह के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण है, जिसमें भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं, क्योंकि ये चारों देश समुद्री सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखलाओं और उभरती वैश्विक चुनौतियों पर सहयोग को और मजबूत कर रहे हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को अपनी पत्नी जेनेट डी. रुबियो के साथ भारत पहुंचने के बाद एक पोस्ट साझा किया। वे कोलकाता और नई दिल्ली में होने वाली महत्वपूर्ण राजनयिक बैठकों में भाग लेने वाले हैं। एयरपोर्ट से एक तस्वीर साझा करते हुए रुबियो ने लिखा, 'भारत पहुंच गया हूं। शानदार यात्रा की उम्मीद है! भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने शनिवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और उनकी पत्नी जेनेट डी. रुबियो के साथ कोलकाता दौरे के बाद दिल्ली की यात्रा के दौरान ली गई एक तस्वीर साझा की।

नई दिल्ली » अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो शनिवार को भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर कोलकाता पहुंचे। उन्होंने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उच्च स्तरीय वार्ता की। उनके आगमन की पुष्टि करते हुए भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा सहयोग और क्वाड साझेदारी सहित प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। राजदूत गोर ने पोस्ट किया विदेश मंत्री मार्को रुबियो कोलकाता पहुंच गए हैं। यह उनकी भारत की पहली यात्रा है। हम नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा, क्वाड और कई अन्य मुद्दों पर अगले कुछ दिनों में चर्चा होगी और उन्हें आगे बढ़ाया जाएगा। अमेरिका के शीर्ष राजनयिक रविवार को

अमेरिकी दूतावास के कार्यक्रम के लिए दिल्ली पहुंचे...

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो शनिवार को कोलकाता का अपना दौरा पूरा करने के बाद दिल्ली पहुंचे। राष्ट्रीय राजधानी में अपने दौरे के दौरान, रुबियो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। वे अमेरिकी दूतावास के सहायक भवन के उद्घाटन समारोह में भी भाषण दिया और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर द्वारा आयोजित रूजवेल्ट हाउस के स्वागत समारोह में भी शामिल हुए।

बस्तर हुआ नक्सलमुक्त लेकिन कांग्रेस ने साथ नहीं दिया: अमित शाह

नई दिल्ली » केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को बस्तर में कहा कि तय तारीख 31 मार्च 2026 से पहले ही देश से नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो गया। यह हम सबके लिए खुशी की बात है कि बस्तर नक्सल मुक्त हो गया है। मैं 31 मार्च, 2026 के बाद पहली बार बस्तर आया हूं। यहां सेंट्रल रीजनल काउंसिल की 26वीं मीटिंग हुई। बस्तर के लोगों में भविष्य को लेकर उत्साह, आत्मविश्वास का माहौल हर जगह दिख रहा है। कई गैर-बीजेपी सरकारों ने हमारे नक्सल-मुक्त अभियान का समर्थन किया है। लेकिन छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार ने नक्सल-मुक्त अभियान में हमारा साथ नहीं दिया। 13 दिसंबर, 2023 को यहां बीजेपी की सरकार बनने के तुरंत बाद हमने बस्तर में बचे हुए नक्सलियों को निशाना बनाया। अमित शाह ने कहा कि कल ही मैंने शहीद वीर गुंडाधुर सेवा डेरा का उद्घाटन किया। बस्तर में जो 200 सुरक्षा कैंप हैं, उन्हें सेवा डेरा में बदला जाएगा।

पुतिन के साथ जिनपिंग भी आएंगे भारत...

दिल्ली के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 में होगा बड़ा जमावड़ा

एजेंसी » नई दिल्ली

सितंबर 2026 में नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ ही चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी इस सम्मेलन में हिस्सा लेने भारत आ सकते हैं। रूस और चीन दोनों ने नई दिल्ली को संकेत दिए हैं कि उनके शीर्ष नेता 12 और 13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स नेताओं के सम्मेलन में शामिल हो सकते हैं। भारत इस बार ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है।

ब्रिक्स सम्मेलन में शी जिनपिंग की संभावित यात्रा सबसे ज्यादा चर्चा में है। अगर उनका दौरा तय होता है तो यह अक्टूबर 2019 के बाद उनकी पहली भारत यात्रा होगी। आखिरी बार शी जिनपिंग तमिलनाडु के मामल्लापुरम में भारत-चीन नेताओं की दूसरी अनौपचारिक बैठक में शामिल होने आए थे। भारत और चीन के संबंध अप्रैल-मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शुरू हुए गलवान सैन्य गतिरोध के बाद काफी खराब हो गए थे। हालांकि, अक्टूबर 2024 में रूस के कजान में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी और शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद रिश्तों को सामान्य बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई। उसी दौरान दोनों देशों ने पूर्वी लद्दाख में सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी करने पर सहमति जताई थी।

करप्शन के मामले में इजरायली पीएम नेतन्याहू की गवाही फिर टली

नई दिल्ली » इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की अदालत में चल रही आपराधिक सुनवाई में गवाही एक बार फिर स्थगित कर दी गई है। इजरायली मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उनके वकील ने यरुशलम डिस्ट्रिक कोर्ट को बताया कि प्रधानमंत्री पूरे दिन सुरक्षा और कूटनीतिक बैठकों में व्यस्त रहेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू के वकील ने अदालत को एक गोपनीय शेड्यूल भी सौंपा, जिसमें सोमवार को देर रात तक तय बैठकों की जानकारी दी गई थी। यह पहली बार नहीं है जब नेतन्याहू की अदालत में पेशी आगे बढ़ाई गई हो। इससे पहले 27 अप्रैल को भी उनकी गवाही सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए अनिश्चित समय के लिए टाल दी गई थी।

पीएम जॉर्जिया को मोदी ने मेलोडी चॉकलेट की भेंट

इटली की प्रधानमंत्री ने भारत को बताया स्ट्रेटेजिक पार्टनर

एजेंसी » नई दिल्ली

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने भारत और इटली के संबंधों को लेकर एक एक्स पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि भारत और इटली के बीच रिश्ता अब एक अहम मोड़ पर पहुच गया है। हाल के सालों में हमारे रिश्ते बहुत तेजी से बढ़े हैं, जो एक अच्छी दोस्ती से बढ़कर स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप की हो गई है। उनका यह पोस्ट पीएम मोदी के साथ वार्ता से पहले आया है। दोनों देशों के प्रधानमंत्री वार्ता के लिए पहुंच चुके हैं। पीएम मोदी इटली दौरे के दौरान वहां की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से ट्रेड और इंवेस्टमेंट पर वार्ता करेंगे, जो दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने इटली दौरे के दौरान वहां की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को मेलोडी चॉकलेट भेंट किया है। इस गिफ्ट के लिए मेलोनी ने पीएम मोदी को धन्यवाद कहते हुए, एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें वो कह रही हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें बहुत बढ़िया टॉफी गिफ्ट किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ बुधवार को वार्ता करने वाले हैं। यह वार्ता दोनों देशों के बीच ट्रेड, इन्वेस्टमेंट, डिफेंस, क्लीन एनर्जी, इनोवेशन, साइंस और टेक्नोलॉजी, और कल्चरल एक्सचेंज में सहयोग पर फोकस होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जॉर्जिया मेलोनी के साथ इटली के रोम में मशहूर कोलोसियम का दौरा किया। पीएम मोदी ने एक्स पर इससे संबंधित फोटो पोस्ट किया।

ट्रंप का दावा, कहा- हम जो भी करने को कहेंगे नेतन्याहू वही करेंगे

नई दिल्ली » ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा किया है। ट्रंप ने कहा कि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका की रणनीति के अनुसार काम करेंगे। ट्रंप ने कहा कि बेंजामिन नेतन्याहू उनकी हर इच्छा के अनुसार काम करेंगे। मीडिया से बात करते हुए एक सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा- वो ठीक हैं। मैं जो भी चाहूंगा, वो करेंगे। वो बहुत अच्छे इंसान हैं और महान नेता हैं। ट्रंप ने मीडिया से बात करते हुए यह भी कहा कि इजराइल में पीएम नेतन्याहू के साथ सही बर्ताव नहीं हो रहा है। इजराइल में अपने समर्थन को लेकर ट्रंप ने कहा कि अभी इजराइल में मेरा समर्थन 99% है।

पुतिन के साथ जिनपिंग भी आएंगे भारत...

दिल्ली के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 में होगा बड़ा जमावड़ा

एजेंसी » नई दिल्ली

सितंबर 2026 में नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ ही चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी इस सम्मेलन में हिस्सा लेने भारत आ सकते हैं। रूस और चीन दोनों ने नई दिल्ली को संकेत दिए हैं कि उनके शीर्ष नेता 12 और 13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स नेताओं के सम्मेलन में शामिल हो सकते हैं। भारत इस बार ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है।

ब्रिक्स सम्मेलन में शी जिनपिंग की संभावित यात्रा सबसे ज्यादा चर्चा में है। अगर उनका दौरा तय होता है तो यह अक्टूबर 2019 के बाद उनकी पहली भारत यात्रा होगी। आखिरी बार शी जिनपिंग तमिलनाडु के मामल्लापुरम में भारत-चीन नेताओं की दूसरी अनौपचारिक बैठक में शामिल होने आए थे। भारत और चीन के संबंध अप्रैल-मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शुरू हुए गलवान सैन्य गतिरोध के बाद काफी खराब हो गए थे। हालांकि, अक्टूबर 2024 में रूस के कजान में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी और शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद रिश्तों को सामान्य बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई। उसी दौरान दोनों देशों ने पूर्वी लद्दाख में सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी करने पर सहमति जताई थी।

25 मई तक लू का अलर्ट...

गर्मी से तप रही दिल्ली, 45 डिग्री के पार पहुंचा तापमान

एजेंसी » नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली गर्मी से तप रही है। मंगलवार को इस महीने पहली बार लू की स्थिति दर्ज की गई। चिलचिलाती धूप और शुष्क हवाओं के कारण शहर के कई इलाकों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने आने वाले दिनों में भीषण लू की चेतावनी देते हुए 25 मई तक ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के मुताबिक इससे पहले 23, 24 और 25 अप्रैल को भी दिल्ली में लू की स्थिति दर्ज की गई थी। दिल्ली में साल 2024 के बाद से मई का सबसे गर्म दिन आज (19 मई) को दर्ज किया गया है। राष्ट्रीय राजधानी में इससे अधिक तापमान पिछले साल 26 मई को दर्ज किया गया था, जब तापमान 43.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था। आईएमडी के अनुसार सफदरजंग मौसम केंद्र में अधिकतम तापमान 45.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.7 डिग्री अधिक रहा। पालम स्टेशन पर भी तापमान 45.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जबकि लोधी रोड में अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। सबसे अधिक तापमान रिज क्षेत्र में 46.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से पांच डिग्री ज्यादा था। वहीं आयानगर में तापमान 45.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

स्पोर्ट्स ब्रीफ

टेनिस जगत को बड़ा झटका चोट के कारण कार्लोस अल्काराज़ टूर्नामेंट से बाहर

नई दिल्ली » टेनिस जगत में कार्लोस अल्काराज़ को इस समय सबसे आक्रामक और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में गिना जाता है, लेकिन इस बार उनकी चोट ने पूरे सीजन की तस्वीर बदल दी है। स्पेन के युवा स्टार खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज़ ने आधिकारिक तौर पर विंबलडन 2026 से नाम वापस लेने का ऐलान कर दिया है। बता दें कि वह पिछले महीने बार्सिलोना ओपन के दौरान दाहिने हाथ की कलाई में चोट लगने के बाद से कोर्ट से बाहर चल रहे हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, अल्काराज़ को यह चोट टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबले में महसूस हुई थी।

हॉकी के द्रोणाचार्य बलदेव सिंह को आज मिलेगा पद्मश्री 80 खिलाड़ी किए तैयार

नई दिल्ली » हॉकी कोच बलदेव सिंह को 25 मई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान पद्मश्री से नवाजा जाएगा। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सिंह (75 वर्ष) ने एनएच 44 पर बसे छोटे से शहर शाहाबाद मारकंडा को बेहतरीन हॉकी प्रतिभा पैदा करने का एक बड़ा केंद्र बना दिया। वह 1982 में हरियाणा खेल विभाग में कोच के तौर पर शाहाबाद मारकंडा आए थे और उन्होंने वहां चार साल तक सेवा दी। अधिकारियों ने बताया कि 1993 में वह इस शहर में वापस लौटे और उन्होंने इस हॉकी नर्सरी को सबसे ज्यादा हॉकी प्रतिभा पैदा करने वाले केंद्र में से एक बना दिया।

अंडर-18 हॉकी एशिया कप...

स्वीटी कुजुर संभालेंगी टीम इंडिया की कमान, जापान में खिताब पर नजर

एजेंसी » नई दिल्ली

दो स्वीटी कुजुर को जापान के काकामिगाहारा में 29 मई से छह जून तक होने वाले एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के लिए शुक्रवार को 18 सदस्यीय भारतीय महिला अंडर-18 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। इस टीम में कुजुर के अलावा नौशीन नाज, प्रियंका मिंज, संदीप कुमारी और नैन्सी सरोहा अग्रिम पंक्ति में शामिल हैं। मध्य पंक्ति में श्रुति कुमारी, दीया, स्नेहा दावड़े, रश्मीन कौर, नम्मी गीताश्री और पुष्पा मांझी तथा रक्षापंक्ति में सुगन सांगा, नीलम टोपनो, रूबीना बक्सला, किरण एक्का, सुलोचनी और गोलकीपर महक परिहार और खिली कुमारी शामिल हैं। भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट के लिए भोपाल में राष्ट्रीय शिविर में हिस्सा लिया था। इस दौरान भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की श्रृंखला भी खेली। भारत को प्रतियोगिता में पूल ए में रखा गया है जहां उसका मुकाबला कोरिया, मलेशिया और सिंगापुर से होगा। भारत 30 मई को मलेशिया के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगा, जिसके बाद वह 31 मई को कोरिया और दो जून को सिंगापुर के खिलाफ खेलेगा। पूल बी में चीन, जापान, चीनी ताइपे और बांग्लादेश शामिल हैं। सेमीफाइनल पांच जून और फाइनल छह जून को खेला जाएगा।

नेशनल मेडलिस्ट अंकित और जयेश डोप टेस्ट में फेल, नाडा ने लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली » सेना खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) के अंकित और रेलवे के जयेश पाटिल पर राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने तीन साल का प्रतिबंध लगा दिया है। इन दोनों का परीक्षण प्रतिबंधित पदार्थ 'मेल्डोनियम' के लिए पॉजिटिव आया था। अंकित ने 69वीं राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में तीसरा स्थान हासिल किया था जबकि पाटिल इसी स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहे थे।

दोनों एथलीटों ने अपने ऊपर लगे आरोपों को स्वीकार कर लिया जिसके चलते उनके प्रतिबंध की अवधि में एक साल की कटौती कर दी गई। यह प्रतिबंध अंकित के लिए 25 फरवरी से और पाटिल के लिए 27 फरवरी से लागू हो गया है। बीस वर्षीय पाटिल 2024 जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 3000 मीटर स्टीपलचेज के रजत पदक विजेता भी हैं। दोनों एथलीट का टेस्ट 'मेल्डोनियम' के लिए पॉजिटिव आया था। यह पदार्थ विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की प्रतिबंधित पदार्थों की सूची में शामिल है।

जासूसी कांड ने साउथैम्पटन को डुबोया

प्लेऑफ फाइनल से बाहर खिलाड़ी भी करेंगे केस

एजेंसी » नई दिल्ली

इंग्लैंड के फुटबॉल जगत में इस समय साउथैम्पटन क्लब को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। क्लब पर दूसरी टीमों की ट्रेनिंग सत्र की जासूसी कराने के आरोप साबित होने के बाद इंग्लैंड फुटबॉल लीग ने उसे चैंपियनशिप प्लेऑफ फाइनल से बाहर कर दिया है। इस फैसले के बाद अब क्लब के अपने खिलाड़ी भी नाराज बताए जा रहे हैं और आर्थिक नुकसान को लेकर कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रहे हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, साउथैम्पटन के खिलाड़ियों का मानना है कि अगर टीम प्रीमियर लीग में पहुंच जाती तो उन्हें वेतन बढ़ोतरी, बोनस और प्रमोशन राशि का फायदा मिलता। लेकिन क्लब के खिलाफ हुई कार्रवाई के कारण अब यह मौका हाथ से निकल गया है। इसी वजह से कई खिलाड़ी प्रोफेशनल फुटबॉलर्स एसोसिएशन से कानूनी सलाह लेने पर विचार कर रहे हैं। बता दें कि इंग्लैंड फुटबॉल लीग की स्वतंत्र अनुशासन समिति ने साउथैम्पटन को मिडिल्सब्रा, ऑक्सफोर्ड और इप्सविच की ट्रेनिंग की बिना अनुमति रिकॉर्डिंग कराने का दोषी पाया था।

इसके बाद क्लब को प्लेऑफ फाइनल से बाहर करने के साथ अगले सत्र के लिए चार अंक काटने की सजा भी सुनाई गई है। इस फैसले के बाद मिडिल्सब्रा को दोबारा फाइनल में जगह दे दी गई है। अब शनिवार को वेम्बली में होने वाले फाइनल मुकाबले में हल सिटी का सामना मिडिल्सब्रा से होना तय माना जा रहा है।

प्रीमियर लीग टाइटल रेस: आखिरी मोड़ पर जंग आर्सेनल की जीत ने मैन सिटी की बढ़ाई टेंशन

एजेंसी » नई दिल्ली

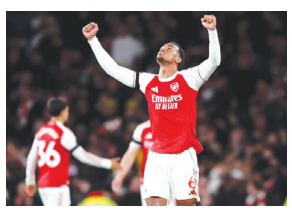

प्रीमियर लीग खिताब की दौड़ अब बेहद दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गई है। आर्सेनल ने बर्नली के खिलाफ दबाव भरे मुकाबले में एक-शून्य की जीत हासिल कर ली है और अब टीम चैंपियन बनने से सिर्फ एक कदम दूर खड़ी दिखाई दे रही हैं।

मौजूद जानकारी के अनुसार, अगर मैनचेस्टर सिटी अपने अगले मुकाबले में अंक गंवा देती है तो आर्सेनल को सीधे प्रीमियर लीग का खिताब मिल सकता है। हालांकि पेप गार्डियोला की टीम भी शानदार फॉर्म में है और लगातार जीत दर्ज करते हुए आर्सेनल पर दबाव बनाए हुए हैं। गौरतलब है कि आर्सेनल का यह मुकाबला आसान नहीं था। पहले से रेलीगेट हो चुकी बर्नली टीम ने पूरे मैच में कड़ी चुनौती दी और आर्सेनल के खिलाड़ियों को खुलकर खेलने का ज्यादा मौका नहीं दिया। इसके बावजूद मिकेल आर्टेटा की टीम धैर्य बनाए रखने में सफल रही हैं। मैच का एकमात्र गोल काई हावर्ट्ज ने किया। बुकायो साका के कोने से मिले शानदार पास पर हावर्ट्ज ने ऊंची छलांग लगाकर गेंद को जाल में पहुंचा दिया। यही गोल आखिर में मैच का फैसला साबित हुआ हैं। बता दें कि इस जीत के साथ आर्सेनल ने इस सत्र में ग्यारहवीं बार एक-शून्य से मुकाबला जीता है, जो वर्ष 1994 के बाद क्लब का सबसे बड़ा आंकड़ा माना जा रहा हैं। बुकायो साका ने भी मुकाबले में एक खास उपलब्धि हासिल की। उन्होंने प्रीमियर लीग में अपने पचास गोल और पचास गोल पास पूरे कर लिए हैं। वह ऐसा करने वाले आर्सेनल के चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं।

विश्व कप के लिए ब्राजील टीम में चोटिल नेमार की एंट्री

नई दिल्ली » ब्राजील फुटबॉल टीम ने आखिरकार विश्व कप 2026 के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है और सबसे ज्यादा चर्चा स्टार खिलाड़ी नेमार की वापसी को लेकर हो रही हैं। पिछले काफी समय से चोट और फिटनेस की समस्या से जूझ रहे नेमार को टीम में शामिल किए जाने को कई फुटबॉल विशेषज्ञों ने अप्रत्याशित बताया हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, 34 वर्षीय नेमार अक्टूबर 2023 में घुटने की गंभीर चोट का शिकार हुए थे। उनके बाएं घुटने की एसीएल चोट के बाद लंबे समय तक मैदान से बाहर रहना पड़ा था।

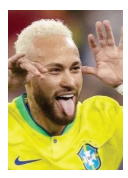

पूजा तोमर ने कहा- सही सपोर्ट मिले तो एमएमए में दुनिया पर राज करेगा इंडिया

एजेंसी » नई दिल्ली

भारत में मिश्रित मार्शल आर्ट का नाम तेजी से बढ़ रहा है और इसी बदलाव की सबसे मजबूत पहचान बनकर सामने आई हैं भारतीय खिलाड़ी पूजा तोमर। यूएफसी में मुकाबला जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन चुकी पूजा अब सिर्फ अपने करियर पर ही नहीं, बल्कि देश में इस खेल के भविष्य पर भी खुलकर बात कर रही है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश के बुधाना से आने वाली पूजा तोमर ने अपने संघर्ष और मेहनत के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई हैं। पांच बार की वुशु राष्ट्रीय चैंपियन रह चुकी पूजा ने यूएफसी में जीत हासिल कर भारतीय खेल जगत में नया इतिहास रचा था। पूजा का कहना है कि वह सिर्फ जीत और हार पर ध्यान नहीं देतीं, बल्कि हर मुकाबले को खुद को बेहतर बनाने का मौका मानती हैं। उन्होंने कहा कि पिछली हार से उन्हें अपनी कमजोरियों को समझने का अवसर मिला और अब उनका लक्ष्य पहले से ज्यादा मजबूत प्रदर्शन करना हैं। गौरतलब है कि भारत में मिश्रित मार्शल आर्ट का खेल अभी शुरुआती दौर में माना जाता है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है और कई भारतीय खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने लगे हैं। पूजा तोमर का मानना है कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन खिलाड़ियों को सही माहौल और सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। उन्होंने कहा कि देश में मजबूत आधार स्तर की व्यवस्था, बेहतर प्रशिक्षकों, अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों का अनुभव और लगातार समर्थन की जरूरत है।

भड़ास

सगाई से जुड़े 'रहस्यमयी पोस्ट' पर तोड़ी चुप्पी

हद हो गई! करण-तेजस्वी के प्रपोज़ल के बाद अनुषा दांडेकर का फूटा गुस्सा

बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर टीवी जगत के सबसे चहेते कपल करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश की सगाई के चर्चे छाए हुए हैं। नेटफ्लिक्स के नए रियलिटी शो में करण द्वारा तेजस्वी को दिए गए ऑन-स्क्रीन प्रपोज़ल के बाद हर तरफ इसी जोड़ी की बात हो रही है। लेकिन इस जश्न के बीच, करण कुंद्रा की एक्स-पार्टनर और मशहूर वीजे-एक्ट्रेस अनुषा दांडेकर भी अचानक सुर्खियों में आ गईं। सोशल मीडिया पर उनके एक 'रहस्यमयी' पोस्ट को लेकर कयासबाजी शुरू हो गई, जिस पर अब अनुषा ने बेहद कड़े शब्दों में अपनी सफाई पेश की है।

अटकलों का दौर तब शुरू हुआ जब नेटफ्लिक्स शो से करण और तेजस्वी के प्रपोज़ल के वीडियो और तस्वीरें ऑनलाइन सामने आईं। इसके तुरंत बाद, अनुषा ने एक पोस्ट शेयर किया जिसमें लिखा था, 'मैं भगवान का शुक्रिया अदा कर रही हूँ, हालाँकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया था, लेकिन सोशल मीडिया के कई यूज़र्स ने मान लिया कि यह पोस्ट करण और तेजस्वी के साथ उनकी सगाई को लेकर था।

» **अनुषा का कहना है कि पोस्ट का इससे कोई लेना-देना नहीं था...**

शुक्रवार को एक नए इंस्टाग्राम पोस्ट में, अनुषा ने साफ किया कि उनका पिछला मैसेज उनके अपने निजी कारणों से था और उसका करण और तेजस्वी से कोई संबंध नहीं था। उन्होंने उन लेखों और सोशल मीडिया यूज़र्स पर भी आपत्ति जताई जिन्होंने उनके पोस्ट को लेकर अपने मन से ही कोई मतलब निकाल लिया था। उन्होंने लिखा, रहे भगवान! साफ तौर पर, आप लोग कुछ नहीं जानते, खासकर ये लेख लिखने वाले! जब मैं किसी खास चीज़ के बारे में बात करती हूँ, तो मैं साफ-साफ बताती हूँ। अगर मैं अपने निजी कारणों से भगवान का शुक्रिया अदा कर रही हूँ, तो भी आप लोग उसे किसी और चीज़ से जोड़ देते हैं और फिर अपनी मनगढ़ंत सोच के आधार पर मुझ पर ही सवाल उठाने लगते हैं! यह तो हद है! और उन सभी प्यारे DMs (डायरेक्ट मैसेज) के लिए, मैंने उन सभी को पढ़ा और मैं आप लोगों से सहमत हूँ। अब हर कोई अंदाज़ा लगा सकता है कि आप लोगों ने मुझे क्या लिखा था। लव यू।

'किसी की मत सुनो, शादी से पहले खुद का हीरो बनो', कंगना का महिलाओं को संदेश

देश को झकझोर कर रख देने वाली भोपाल की ट्विशा शर्मा मौत मिस्ट्री और ग्रेटर नोएडा में हुई एक और नवविवाहिता की संदिग्ध मौत के बाद अब इस मामले में राजनीतिक और फिल्मी गलियारों से भी तीखी प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हो गई हैं। अभिनेत्री और भाजपा (BJP) सांसद कंगना रनौत ने इन घटनाओं पर गहरा दुख जताते हुए सोशल मीडिया पर महिलाओं के लिए एक बेहद मजबूत और कड़ा संदेश साझा किया है। कंगना ने शादीशुदा जिंदगी में होने वाले उत्पीड़न और दुर्व्यवहार पर देश के मौजूदा सामाजिक ढांचे को आड़े हाथों लिया है।

प्रशांत नील की फिल्म में दिखी जबरदस्त फिजिक

ड्रैगन मूवी टीजर... जूनियर एनटीआर का महा-अवतार!

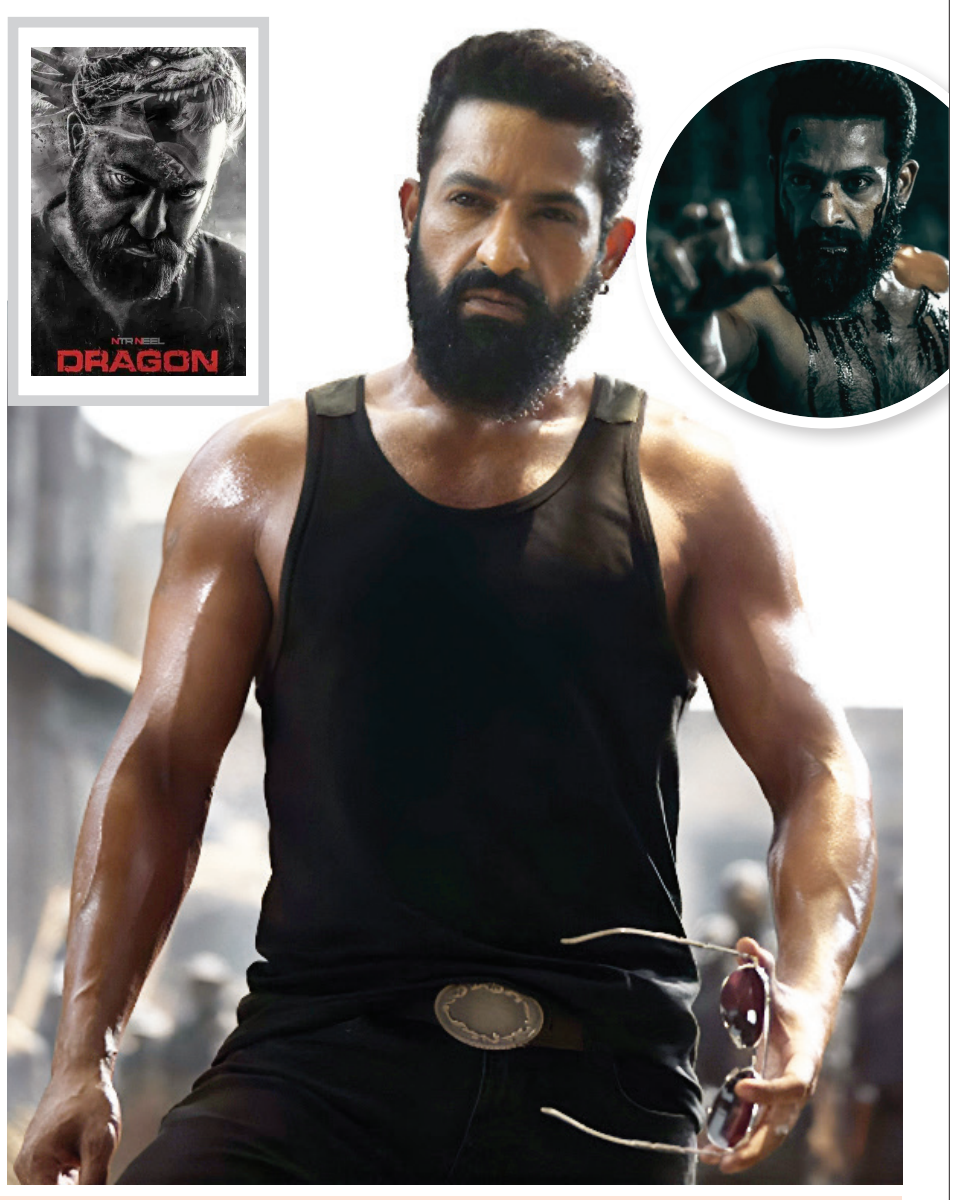

भारतीय सिनेमा के सबसे बहुप्रतीक्षित कूटनीतिक और एक्शन प्रोजेक्ट्स में से एक #NTRNEEL की पहली आधिकारिक झलक आखिरकार दुनिया के सामने आ गई है। साउथ सिनेमा के दिग्गज निर्देशक प्रशांत नील और ग्लोबल स्टार जूनियर एनटीआर की आगामी फिल्म 'ड्रैगन' का धमाकेदार टीज़र रिलीज़ कर दिया गया है। मेकर्स ने फैन्स से किए गए अपने वादे को निभाते हुए 19 मई की आधी रात को (20 मई को जूनियर एनटीआर के जन्मदिन से ठीक कुछ मिनट पहले) इस टीज़र को जारी कर फैन्स को एक बड़ा सरप्राइज दिया।

'ड्रैगन' का टीज़र पाँच भाषाओं - तेलुगु, हिंदी, कन्नड़, तमिल और मलयालम - में आया, जिससे इसका लॉन्च सचमुच एक पैन-इंडिया इवेंट बन गया। जब से इस प्रोजेक्ट की घोषणा हुई थी, तब से ही फ़ैन्स किसी अपडेट का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे, और इस टीज़र ने फ़िल्म को लेकर उनकी उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है। यह टीज़र दर्शकों को फ़िल्म की कहानी के साथ-साथ इसके कलाकारों और किरदारों से भी रूबरू कराता है। जूनियर एनटीआर इस टीज़र में एक ज़बरदस्त अवतार में नज़र आ रहे हैं, जिसमें उनकी फ़िज़िक बिल्कुल अलग और बेहद शानदार लग रही है। फ़िल्म में उनके किरदार को 'अफ़ग़ान ट्रेडिंग कंपनी के चीफ़ लुगर असैसिन' के तौर पर पेश किया गया है। इसके ठीक बाद, फ़िल्म में अनिल कपूर के किरदार की भी झलक दिखाई गई है।

प्रशांत नील, यश की फ़िल्म 'केजीएफ' और प्रभास की फ़िल्म 'सालार' जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स के मेकर हैं। फ़ैन्स हमेशा से ही उनकी इस कला की तारीफ़ करते आए हैं कि वे अपनी फ़िल्मों में एक अलग ही दुनिया कैसे रचते हैं। इस बार भी, यह सिलसिला जारी है। इंटरनेट पर फ़ैन्स कमेंट्स के ज़रिए 'ड्रैगन' के पहले लुक वाले टीज़र की जमकर तारीफ़ कर रहे हैं।

ड्रैगन 11 जून, 2027 को रिलीज़ हो रही है... टीज़र के अब रिलीज़ होने के बाद, #एनटीआरनील को लेकर लोगों की उत्सुकता एक बिल्कुल ही नए लेवल पर पहुँच गई है। यह फ़िल्म 11 जून, 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है। माइथ्री मूवी निर्माताओं और एनटीआर आर्ट्स के बैनर तले बनी ड्रैगन को प्रशांत नील की अब तक की सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी फ़िल्म कहा जा रहा है।

रुक्मिणी की 'डीपफेक' तस्वीरें वायरल

अभिनेत्री ने जताई नाराजगी दी कानूनी कार्रवाई की धमकी

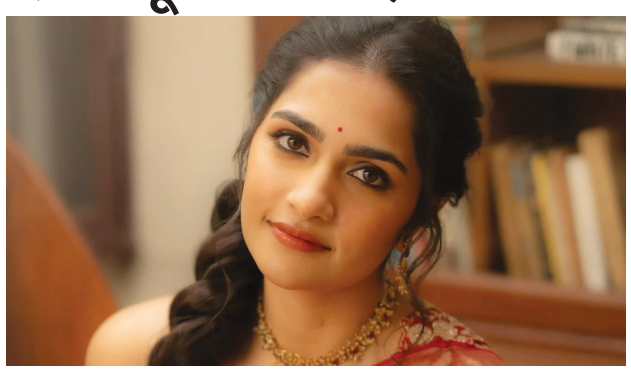

कन्नड़ और पैन-इंडिया सिनेमा की उभरती हुई स्टार रुक्मिणी वसंत ऑनलाइन तकनीक के दुरुपयोग का शिकार हुई हैं। शुक्रवार शाम को सोशल मीडिया पर उनकी कुछ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा निर्मित 'डीपफेक' बिकनी तस्वीरें और क्लिप्स तेजी से वायरल हो गईं। इस पर कड़ा रुख अख्तियार करते हुए अभिनेत्री ने साफ किया है कि ये तस्वीरें पूरी तरह से मनगढ़ंत (फेक) हैं और वे इसे बनाने व फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाने जा रही हैं। वायरल कंटेंट में एक महिला को हरे रंग की बिकनी पहनकर स्विमिंग पूल में उतरते हुए दिखाया गया था, जिसे पहली नजर में देखने पर कोई भी प्रोफेशनल फोटोशूट समझ सकता था। इस प्रामाणिक दिखने वाले वीडियो के कारण इंटरनेट पर भ्रम फैल गया और कई यूजर्स इसे असली मानने लगे थे। वायरल तस्वीरों में एक महिला हरे रंग की बिकनी पहनकर स्विमिंग पूल में उतरती हुई दिखाई दे रही थी, जो देखने में किसी प्रोफेशनल फोटोशूट जैसा लग रहा था। ये क्लिप्स सोशल मीडिया पर तेज़ी से फैल गईं, जिससे ऑनलाइन चर्चा शुरू हो गई और कई यूज़र्स को लगा कि ये फुटेज असली है।

क्योंकि सास भी कभी बहू थी-2

अपने मरे हुए बेटे का घिनौना सच बताएगी मिहिर की पत्नी

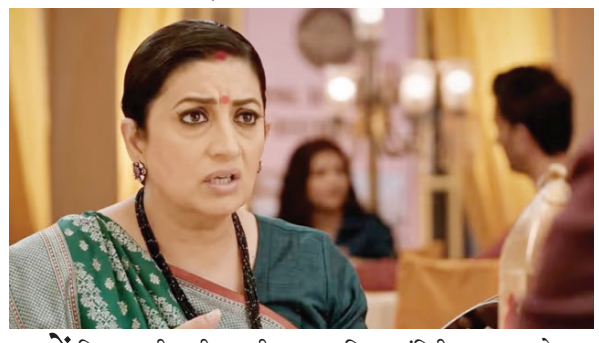

क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 के लेटेस्ट एपिसोड में करण ने नंदिनी के बदले हुए व्यवहार को लेकर उससे सवाल किया। वह समझ नहीं पा रहा था कि आखिर अचानक नंदिनी का रवैया तुलसी और पूरे परिवार के प्रति इतना कठोर क्यों हो गया है। मेंटली परेशान नंदिनी अपने गुस्से को रोक नहीं पाती और करण पर भड़क जाती है। वह कहती है कि उन्होंने कभी उसकी फीलिंग्स को नहीं समझा।

» **तुलसी को लेकर नंदिनी के दिल में है नाराजगी...** नंदिनी हाल की एक घटना याद दिलाती है, जब तुलसी ने दामिनी को लैपटॉप गिफ्ट किया था, लेकिन उसकी जरूरतों पर ध्यान नहीं दिया। नंदिनी ताना मारते हुए कहती है कि उसे एक फोन की जरूरत थी, मगर किसी ने उसकी परवाह नहीं की। करण जवाब देता है कि वह खुद कमाने वाली और आत्मनिर्भर है, इसलिए छोटी चीजें खुद खरीद सकती है। इसके बाद वह नंदिनी से पूछता है कि आखिर उसके दिल में इतनी नाराजगी क्यों भरी हुई है।

» **करण तुलसी से मांगता है माफी...** नंदिनी इमोशनल होकर कहती है कि तुलसी सिर्फ दिखावे के लिए उसे बेटी मानती है, लेकिन कभी उसके दर्द को महसूस नहीं कर पाई। इतना कहकर वह गुस्से में वहां से चली जाती है और करण उसके पीछे चला जाता है।

5 जून को सोनी लिव पर स्ट्रीम होगी वेब सीरीज

गुल्लक 5: हंसी-ठहाकों के साथ लौट आया मिश्रा परिवार

मिश्रा परिवार एक बार फिर चाय की चुटकुलों, अनसुलझे विवादों और खाने की मेज पर होने वाले ताने-बाने के बीच दर्शकों का अपने घर में स्वागत करने के लिए तैयार है। भारत का सबसे चहेता मीडिल परिवार वापसी कर रहा है और इस बार अनलिमिटेड कॉमेडी देखने को मिल रही है। जी हां गुल्लक 5, 5 जून से सोनी लिव पर स्ट्रीम होगा।

» **इस दिन से सोनी लिव पर स्ट्रीम होगा गुल्लक 5...** सोनी लिव ने गुल्लक 5 का जबरदस्त टीजर रिलीज किया। जिसके कैप्शन में लिखा, कुछ सपने नये, कुछ जिम्मेदारियां नयी पर अपनापन बिल्कुल वही। लेकर जिंदगी के सिक्कों की खनक, आ रही है नये किस्सों की गुल्लक गुल्लक सीजन 5 की स्ट्रीमिंग 5 जून से, केवल सोनी लिव पर। वीडियो में मिश्रा निवास की हालत अब पहले जैसी नहीं रही और घर की पुरानी दीवारों को नए रंग से सजाया जा रहा है। यही दीवारें इस घर में रहने वाले चारों लोगों के रिश्तों, उनकी नोकझोंक, प्यार और आपसी तालमेल की पूरी कहानी बयां करती नजर आती हैं।

» **गुल्लक 5 को लेकर क्या बोली गीतांजलि कुलकर्णी...** गीतांजलि कुलकर्णी ने मनी कंट्रोल को दिए इंटरव्यू में बताया कि शांति का किरदार हमेशा से मिश्रा परिवार की सबसे मजबूत भावनात्मक कड़ी रहा है। लेकिन इस बार दर्शकों को उसके व्यक्तित्व का नया पहलू देखने को मिलेगा। उनके मुताबिक इस सीजन में शांति बदलती दुनिया और नए माहौल के साथ अपने खास तरीके से तालमेल बैठाती नजर आएगी।

» **क्यों गुल्लक हुआ पॉपुलर...** उन्होंने आगे कहा कि गुल्लक की सबसे बड़ी खूबी इसकी सादगी और वास्तविकता है। शो जिस तरह रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातों और पारिवारिक पलों को दिखाता है, वही इसे दर्शकों के दिल के करीब ले जाता है। गीतांजलि का मानना है कि शायद यही कारण है कि हर साल लोग इन किरदारों में खुद की झलक महसूस करते हैं। गुल्लक 5 में जमील खान, गीतांजलि कुलकर्णी, हर्ष मयार, सुनीता राजवार, हेली शाह और अन्नू के किरदार में अनंत जोशी जैसे पॉपुलर किरदार वापसी कर रहे हैं। इसका निर्माण द वायरल फीवर ने किया है।

बॉलीवुड न्यूज

फिल्म 'पेद्दी' के खतरनाक विलेन 'रामबुज्जी' बने दिव्येंदु शर्मा के फैन हुए राम चरण

» वेब सीरीज 'मिर्जापुर' में 'मुन्ना भैया' का यादगार किरदार निभाने वाले दिव्येंदु के लिए यह साल बेहद खास साबित होने वाला है। हाल ही में नेटफ्लिक्स की सीरीज 'ग्लोरी' में अपनी शानदार एक्टिंग से तारीफें बटोरने के बाद अब दिव्येंदु साउथ सुपरस्टार राम चरण और एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर की फिल्म 'पेद्दी' में नजर आने वाले हैं। फिल्म में दिव्येंदु 'रामबुज्जी' नाम का एक दमदार और खतरनाक किरदार निभा रहे हैं। ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही उनके रफ और जंगली लुक की सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है। इसी बीच राम चरण ने भी दिव्येंदु की जमकर तारीफ की है और उनके स्वैग व बॉडी लैंग्वेज को शानदार बताया है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान राम चरण ने मुस्कुराते हुए कहा, "थैंक यू यार, तुम सच में एक गैंगस्टर हो! नहीं-नहीं, ये सच में सही वाले गैंगस्टर हैं। इनकी पर्सनैलिटी बहुत बड़ी और जादुई है। ये जिस तरह से अपने डायलॉग बोलते हैं, जो एक्सप्रेशन देते हैं उनका अपना एक अलग ही स्वैग है। दिव्येंदु की जो बॉडी लैंग्वेज है, उसे मैं भी अपने अंदर लाना चाहता हूं और उनसे सीखना चाहता हूं।" राम चरण की इस बात को सुनकर दिव्येंदु के फैंस बेहद खुश हो गए हैं।

करण ने घुटनों पर बैठकर किया तेजस्वी को प्रपोज इंमोशनल हुई एक्ट्रेस

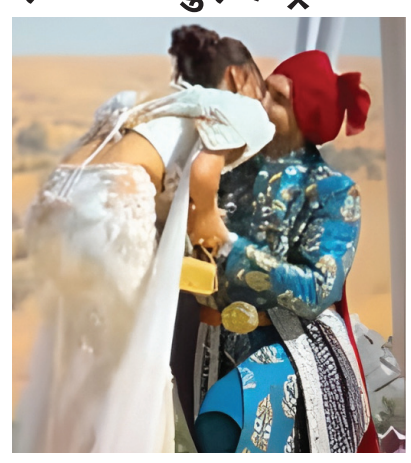

» टीवी की दुनिया के सबसे प्यारे और मशहूर कपल करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश को लेकर लंबे समय से खबरें आ रही थीं कि दोनों आखिर कब शादी करेंगे। हालांकि कपल ने कभी इन खबरों पर खुलकर बात नहीं की। लेकिन अब वो खास पल आ गया है, जिसका फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। 20 मई को नेटफ्लिक्स पर शुरू हुए रियलिटी शो 'देसी ब्लिंग' में करण कुंद्रा ने बेहद रोमांटिक और फिल्मी अंदाज में तेजस्वी प्रकाश को शादी के लिए प्रपोज किया। करण का ये खास सरप्राइज देखकर तेजस्वी इतनी इमोशनल हो गईं कि उनकी आंखों से आंसू निकल पड़े। करण कुंद्रा ने तेजस्वी को सरप्राइज देने के लिए इस शो के बड़े-बड़े अमीर कलाकारों (जैसे रिजवान साजन, सतीश सनपाल और आदिल साजन) के साथ मिलकर एक बहुत बड़ा सीक्रेट प्लान बनाया था। जैसे ही तेजस्वी वहां पहुंचीं, वह हैरान रह गईं। समंदर के पानी के ऊपर बहुत बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा हुआ था, "विल यू मैरी मी?" (क्या तुम मुझसे शादी करोगी?)। इसके तुरंत बाद करण कुंद्रा अपनी पंजाबी भाषा में बात करते हुए घुटनों के बल बैठ गए और तेजस्वी के सामने अंगूठी रख दी।

'दृश्यम 3' रिलीज से एक दिन पहले डायरेक्टर ने किया शॉकिंग खुलासा

» मोहनलाल की सुपरहिट सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म 'दृश्यम 3' अब सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट देखने को मिल रही है, क्योंकि इसके पहले दोनों पार्ट्स के क्लाइमेक्स ने लोगों को चौंका दिया था। लेकिन तीसरे पार्ट की रिलीज से ठीक पहले फिल्म के डायरेक्टर जीतू जोसेफ ने एक ऐसा खुलासा किया है, जिसने फैंस को हैरान कर दिया। डायरेक्टर ने माना कि 'दृश्यम' का पहला पार्ट बनाते समय उनसे एक बड़ी गलती हो गई थी, जिसका पछतावा उन्हें आज भी होता है। एक इंटरव्यू के दौरान डायरेक्टर जीतू जोसेफ ने बताया कि 'दृश्यम' फिल्म की कहानी पूरी तरह से काल्पनिक नहीं है, बल्कि यह एक सच्ची घटना से प्रेरित है। साल 2000 में, जब उन्होंने फिल्मों में काम करना शुरू भी नहीं किया था, तब उनके जानने वाले दो परिवारों के बीच एक लड़का-लड़की को लेकर बड़ा झगड़ा हो गया था। वह मामला पुलिस तक पहुंच गया था। उस समय किसी ने जीतू जोसेफ से कहा था कि "इस झगड़े में दोनों ही परिवार अपनी-अपनी जगह सही भी हैं और गलत भी।"

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कलासो देवी के द्वारा सूचना प्रिंटर, 33 एस मॉडल टाउन मार्केट हिसार, हरियाणा से मुद्रित करवाकर बाला जी सेनेटरी स्टोर, करनाल रोड, डिफेंस कॉलोनी, गली नंबर-8, रिलायंस स्मार्ट पॉइंट के पास, कैथल से प्रकाशित। संपादक कलासो देवी। किसी भी विवाद के लिए न्याय क्षेत्र कैथल होगा। RNI No. HRHIN/26/A1127, मोबाइल नंबर: 9499422208, Email: Info@hindustanekta.com